UN – 044

28

III Semester B.B.M./B.H.M. Examination, November/December 2015
(Semester Scheme) (Repeaters) (2014-15 Only)
LANGUAGE HINDI – III
Natak, Pathra Aur Sankshepan

Time : 3 Hours Max. Marks : 100

I. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर **एक** शब्द या वाक्य में लिखिए : **(1×10=10)**

1) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक में नारद की भूमिका किसने निभाई ?
2) क्रांति करने के लिए क्या चाहिए ?
3) धर्म के रहस्य को समझनें के लिए क्या चाहिए ?
4) देवधर के मित्र का नाम क्या है ?
5) पतुरिया का नाम क्या था ?
6) काशी में हरिश्चन्द्र किसके हाथों बिक गया ?
7) शैव्या किसके साथ चली जाती है ?
8) किस राजा के सौ पुत्र नष्ट हो गए थे ?
9) अहंकार की पहचान क्या है ?
10) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक में लौका के कर्म कैसे हैं ?

ST. CLARET COLLEGE LIBRARY

II. किन्हीं **तीन** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : **(8×3=24)**

1) राजनीति एक रोशनी है। अंधेरा मिटा देती है।
2) महाज्ञानी से दान–धर्म के उस रहस्य को जानना चाहता हूँ जिसके कारण एक लेने वाला बनता है, दूसरा देने वाला।
3) क्या रखा है, तुम अब भी अपनी बात बदल सकते हो। जिसे स्वीकारा है उसे अस्वीकार कर सकते हे।, जिसे अस्वीकारा, है उसे स्वीकार कर सकते हो।
4) भरसक सब कुछ करूंगी। फिर भी दण्ड से नहीं डरूंगी। मैं बिकी हूँ आपके हाथों, जो कुछ होना है, होगा आपके हाथों।

P.T.O.

III. किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लिखिए : **(16×2=32)**

1) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक के माध्यम से लेखक ने समाज की किन समस्याओं को उजागर किया है ?

2) 'एक सत्य हरिश्चन्द्र' नाटक की कथावस्तु को अपने शब्दों में लिखिए।

3) राजनीति के बारे में देवधर, जीतन और लौका के विचार स्पष्ट कीजिए।

IV. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए। **(7×2=14)**

1) लौका

2) शैव्या

3) विश्वामित्र.

V. पुलिस कमीशनर, बेंगलूर के नाम पर शहर के तमाम पुलिस चौकियों को एक कार्यालय आदेश भेजकर सूचना दीजिए कि राज्य में विद्युत अभाव के कारण शहर की सभी दूकानें रात के दस बजे तक बन्द हो जानी चाहिए। **(10×1=10)**

अथवा

उप सचिव, सूचना विभाग, कर्नाटक सरकार, की हैसियत से अपने सभी कार्यालयों को एक ज्ञापन भेजिए कि फिल्म विकास निगम का कार्यालय अब नए पते पर कार्य आरम्भ करेगा।

VI. निम्नलिखित अवतरण का उचित शीर्षक देते हुए **एक तिहाई** में संक्षेपण कीजिए। **(1×10=10)**

ग्राहक वस्तुओं में अभिरुचि पैदा करना भी विक्रय प्रक्रिया का एक महत्वपूर्ण कदम है। अभिरुचि पैदा करना वह क्रिया है जिसके द्वारा संभावित ग्राहक पूर्ण रूपेण यै अनुभव करने लग जाय कि उसे वस्तु की आवश्यकता है। यह संभव है कि दुकान पर आने से पूर्व ही ग्राहक के मन में किसी वस्तु विशेष के प्रति अभिरुचि जागृत हो चुकी हो। किन्तु जब सम्भावित ग्राहक दुकान पर आ जाता है, तो विक्रयकर्त्ता को उसके आधार भूत क्रय-प्रयोजन का तुरंत अनुमान लगा लेना चाहिए तथा उस क्रय-प्रयोजन को उभार कर किसी वस्तु विशेष में ग्राहक की अभिरुचि उत्पन्न करने का प्रयत्न करना चाहिए।